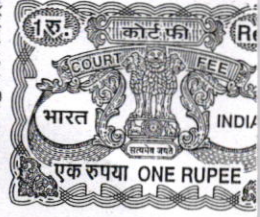
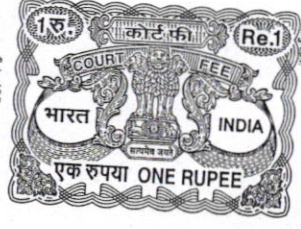
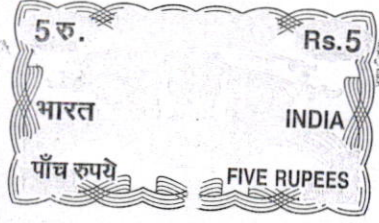


विविध

123

न्यायालय श्रीमान् पीठासीन अधिकारी महोदय,

राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर



उमेश प्रताप सिंह बगैरह

प्र./विविध/रीवा/भू-र/2012/2869

आवेदकगण

बनाम

संतोष कुमार सिंह बगैरह

अनावेदकगण

आवेदन पत्र बावत् निगरानी प्रकरण क्रमांक 1610/तीन/2013 पारित आदेश दिनांक 11.08.17 उमेश प्रताप सिंह बगै. बनाम संतोष कुमार सिंह बगै. के प्रकरण में स्पष्ट आदेश न होने से त्रुटि सुधार किये जाने ।


मान्यवर,

आधार आवेदन पत्र निम्न है :-

1. यह कि उपरोक्त उन्मान का प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन था जिसका निगरानी प्रकरण क्रमांक 1610/तीन/2013 में पारित आदेश दिनांक 11.08.17 को किया जा चुका है।
2. यह कि माननीय न्यायालय के आदेश दिनांक 11.08.17 के अंत में यह लेख नहीं है कि निगरानी स्वीकार या अस्वीकार की गयी, एवं अधीनस्थ न्यायालय का आदेश दिनांक 10.01.13 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त करने का भी लेख नहीं किया गया ह ऐसी स्थिति में माननीय न्यायालय के आदेश में स्पष्ट आदेश प्रतीत न होने से त्रुटि सुधार किया जाना न्याय हित में उचित होगा।
3. यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पूर्व नक्शा तर्मीम को निरस्त कर नये सिरे से नक्शा संशोधन का आदेश पारित किया गया था, जबकि पूर्व नक्शा तर्मीम को निरस्त कर संशोधन करने की अधिकारिता तहसील न्यायालय को नहीं है। चूंकि पूर्व नक्शा तर्मीम व सीमांकन आज तक यथावत है उसके विरुद्ध कोई अपील/निगरानी न होने से उसमें तहसीलदार को संशोधन

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक तीन-विविध/रीवा/भू.रा./2017/2869

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
2014118	<p>राजस्व मण्डल, म0प्र0ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 1610-तीन/2013 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 11-8-2017 में लिपिकीय टंकण त्रुटि सुधार करना दर्शाते हुये यह विविध आवेदन प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में व्यक्त किया है कि राजस्व मण्डल, म0प्र0ग्वालियर के आदेश दिनांक 11-8-2017 के अंतिम पद में तहसीलदार का आदेश दिनांक 10-1-13 निरस्त किया गया है अथवा नहीं एवं निगरानी स्वीकार की गई है अथवा अस्वीकार की गई है अंकन नहीं है जो लेखन त्रुटि से है जिससे आदेश में सुधार किया जावे।</p> <p>3/ प्रकरण क्रमांक 1610-तीन/2013 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 11-8-2017 के पद 3 के अवलोकन पर पाया गया कि इस आदेश द्वारा सरहदी कास्तकारों को सूचना एवं सुनवाई का अवसर देकर नक्शा तर्मीम कार्यवाही करने निर्देश देते हुये प्रकरण वापिस किया गया है। इसका आशय यही है कि तहसीलदार का आदेश दिनांक 10-1-13 त्रुटिपूर्ण है जिसके कारण निगरानी आंशिक रूप से स्वीकार करके प्रकरण प्रत्यावर्तित किया गया है। फलस्वरूप राजस्व मण्डल, म0प्र0ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 1610-तीन/2013 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 11-8-2017 में किसी प्रकार के फेर-बदल का औचित्य न होने से आवेदक द्वारा प्रस्तुत विविध आवेदन इसी-स्तर पर अमान्य किया जाता है।</p>	 <p>सदस्य</p>